

मेरे हृदय का बाग खिला नाकोड़ा दरबार मिला



मेरे हृदय का बाग खिला,
नाकोड़ा दरबार मिला,
ओ दादा तेरा द्वार मिला,
ओ नाकोड़ा दरबार मिला।bd।

तर्ज - जमाई राजा राम मिला।

बीच पहाड़िया में दर तेरा सोहे,
तीर्थों में तीर्थ बड़ा मन को मोहे,
मालाणी की गोद में पला,
नाकोड़ा दरबार मिला।bd।

पार्श्व प्रभु के संग भेरुजी विराजे,
तारों के बीच जैसे चंदा है साजे,
करके दर्शन सुख चैन मिला,
नाकोड़ा दरबार मिला।bd।

देवी ओर देवता भी आने को तरसे,
भक्ति के रूप में अमृत बरसे,
कैसे भूलूँ मैं इसको भला,
नाकोड़ा दरबार मिला।bd।

भेरुजी की कृपा से आनंद छाया,
जागा है भाग्य में नाकोड़ा आया,
किशन 'दिलबर' ये चले सिलसिला,
नाकोड़ा दरबार मिला।bd।

मेरे हृदय का बाग खिला,
नाकोड़ा दरबार मिला,
ओ दादा तेरा द्वार मिला,
ओ नाकोड़ा दरबार मिला।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर' ।
नागदा जक्शन म.प्र. 9907023365



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>